ट्रैकिंग एरर और ट्रैकिंग अंतर का तरीक़ा

Value Research

ट्रैकिंग अंतर और ट्रैकिंग एरर दोनों ही अपने बेंचमार्क इंडेक्स को दोहराने के लिए एक पैसिव म्यूचुअल फ़ंड की क्षमता के बारे में बताते हैं. पैसिव फ़ंड के प्रदर्शन का मूल्यांकन करते समय और अपने तय किए हुए निवेश के नतीजे देने की क्षमता का आकलन करते समय निवेशकों को दोनों मैट्रिक्स पर विचार करना चाहिए.

ट्रैकिंग एरर (Tracking error) (%)

ट्रैकिंग एरर एक पैसिव म्यूचुअल फ़ंड (इंडेक्स फ़ंड या ETF) और उसके चुने हुए इंडेक्स के प्रदर्शन के बीच समानता या अंतर के स्तर को मापता है. गणितीय तौर पर, इसकी कैलकुलेशन पैसिव फ़ंड और उसके चुने हुए इंडेक्स के बीच रिटर्न में अंतर के सालाना स्टैंडर्ड डीविएशन के तौर पर की जाती है.

गणितीय फ़ॉर्मूला:

$$\text{ट्रैकिंग एरर} = (R_f - R_i)2(n-1) \times \sqrt{250}$$

कहां,

∑ विचार किए गए फ़ंड के रिटर्न के प्रत्येक उदाहरण के योग का प्रतीक है

R_f फ़ंड पोर्टफ़ोलियो को हर बार मिलने वाला डेली रिटर्न है

R_i बेंचमार्क इंडेक्स को हर बार मिलने वाला डेली रिटर्न है

n विचार किए गए रोज के मामलों की संख्या है

ट्रैकिंग एरर को आमतौर पर प्रतिशत के तौर पर दिखाया जाता है, जिससे एक ख़ास समय के दौरान (1-महीना, 3-महीने, 1-साल, 3-साल, 5-साल, आदि) में इंडेक्स के मुक़ाबले फ़ंड के प्रदर्शन में आए बदलाव का पता चलता है.

एक हाई ट्रैकिंग एरर बताती है कि पैसिव फ़ंड का अपने बेंचमार्क से अंतर ज़्यादा हो गया है, जिसके चलते प्रदर्शन में ज़्यादा अंतर आया है. ये दिखाता है कि फ़ंड के कम रिटर्न का अनुमान है और ये "ट्रैक" करने वाले बेंचमार्क के प्रदर्शन से काफ़ी अलग हो सकता है.

ये फ़ंड के ख़र्च जैसे कारणों से हो सकता है या इस वजह से हो सकता है कि फ़ंड मैनेजर अपने पैसिव फ़ंड के पोर्टफ़ोलियो में, इंडेक्स में स्टॉक के वेटेज को कितनी बारीक़ी से दोहरा सकता है.

इस तरह से, कम ट्रैकिंग एरर वाला फ़ंड ज़्यादा बेहतर होता है. हालांकि, ये ध्यान रखना अहम है कि एक ट्रैकिंग एरर से ही किसी पैसिव म्यूचुअल फ़ंड की पूरी क्वालिटी नहीं तय होती है.

ट्रैकिंग अंतर (Tracking difference) (%)

ट्रैकिंग अंतर एक पैसिव म्यूचुअल फ़ंड (इंडेक्स फ़ंड या ETF) और इसके चुने हुए बेंचमार्क इंडेक्स के रिटर्न के बीच अंतर को दिखाता है. गणितीय तौर पर ये पैसिव फ़ंड और उसके चुने हुए इंडेक्स के बीच रिटर्न के पूरे अंतर के अलावा और कुछ नहीं है.

गणितीय फ़ॉर्मूला:

$$\text{ट्रैकिंग अंतर} = R_f - R_i$$

जहां,

R_f दिए गए समय के लिए फ़ंड पोर्टफ़ोलिया का रिटर्न है

R_i दिए गए समय के लिए बेंचमार्क इंडेक्स का रिटर्न है

ट्रैकिंग अंतर आमतौर पर प्रतिशत के तौर पर दिखाया जाता है और एक ख़ास समय के दौरान (1-महीना, 3-महीने, 1-साल, 3-साल, 5-साल, आदि) में रिटर्न में अंतर का दिखाता है. ये सकारात्मक या नकारात्मक हो सकता है, जो इंडेक्स के मुक़ाबले बेहतर प्रदर्शन या कम प्रदर्शन का संकेत देता है, हालांकि आमतौर पर ये अपने एक्सपेंस रेशियो के कारण नकारात्मक होता है.

ये एक मीट्रिक है जो ट्रैकिंग एरर से संबंधित है, लेकिन उनके माप और व्याख्या में अलग है. ट्रैकिंग अंतर पैसिव फ़ंड और उसके बेंचमार्क इंडेक्स के बीच रिटर्न में अंतर को मापता है जबकि ट्रैकिंग एरर उनके रिटर्न में अंतर के उतार-चढ़ाव या स्टैंडर्ड डीविएशन को मापता है.

सरल शब्दों में, ट्रैकिंग अंतर आपको बताता है कि एक पैसिव फ़ंड किसी तय समय के दौरान इंडेक्स से बेहतर या ख़राब प्रदर्शन कर रहा है, जबकि ट्रैकिंग एरर आपको बताता है कि फ़ंड का प्रदर्शन इंडेक्स से लगातार कितने अंतर पर रहता है.